फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 104 प्रभात जयपुर, रविवार 15 नवम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot



Changes In The Agniveer Scheme Will Benefit...

The first batch of Agniveers from the Navy was set to leave on 21 November, the first Air Force batch on 25 December and the Army on 31 December

A Reign Of Only Two Years

Promises Too Important To Break

सोनिया गांधी की किताब वाकई में उनकी व्याकुलता व निराशा की कहानी है

शिमला में आयोजित पार्टी के मंथन शिविर में उन्होंने अपने स्पष्ट इरादे जाहिर किये थे, कि उन्हें प्र.मंत्री बनना चाहिये क्योंकि वे उस पार्टी की नेता हैं, जिसके 272 सांसद जीत कर आये हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 नवम्बर। सोनिया गांधी की पुस्तक 'बिलॉन्गिंग' उनके उस दर्द और टीस को दर्शाती है, जो उन्हें लंबे समय तक, भारत द्वारा पूरी तरह न अपनाए जाने की वजह से, महसूस हुई, जबकि उन्होंने भारत को अपना देश मान लिया था।

यह किताब उनके उस सफर को दिखाती है, जिसमें वे भारत का हिस्सा बनना चाहती थीं, और चाहती थीं कि लोग उन्हें स्वीकार कर लें।

पूरी पुस्तक में उनके आत्मसम्मान की भावना और उनकी उस गहरी इच्छा की झलक मिलती है कि उन्हें भारत के लोगों द्वारा स्वीकार किया जाए।

शिमला में हुई एक विचार-विमर्श बैठक में जब नेता इस बात पर चर्चा कर रहे थे कि चुनाव में पार्टी का चेहरा कौन होगा, तब सोनिया गांधी ने कहा था, "मैं पार्टी की अध्यक्ष हूं, इसलिए चुनाव में पार्टी का चेहरा मैं ही रहूंगी।"

- पर उनके इस सोच को कोई समर्थन नहीं मिला था पार्टी में।
- उनको प्र.मंत्री पद नहीं मिलने की वजह, उनके बच्चे भी थे, जो उन्हें प्र.मंत्री के रुप में नहीं देखना चाहते थे, विशेषकर अपने पिता प्र.मंत्री राजीव गांधी के हत्या के बाद।
- फिर भी उनकी बची खुची इच्छा पूर्णतया उस समय खत्म हुई जब सुषमा स्वराज ने घोषणा की कि वे अपना सिर मुंडवा लेंगी और जमीन पर ही सोयेंगी, अगर सोनिया गांधी प्र.मंत्री बनीं।
- सोनिया गांधी को इस घटनाक्रम से लगा कि भारत ने उन्हें अपना नहीं माना, और स्वीकार नहीं किया और उनके मन में सदा व्याकुलता व निराशा बनी रही जो उनकी किताब में प्रतिबिंबित होता है।

लेकिन दिलचस्प बात यह थी कि उनके इस प्रस्ताव का समर्थन करने वाले बहुत कम लोग थे।

बाद में, जब उन्होंने घोषणा की कि सरकार बनाने के लिए उनके पास 272 सांसदों का समर्थन है, तो क्षेत्रीय दलों ने उनका साथ देने से इनकार कर दिया। यह कोशिश विफल रही और खुद सोनिया गांधी को भारी शर्मिंदगी उठानी पड़ी।

इसके बाद 2004 में, जब कांग्रेस सरकार बनाने की स्थिति में थी, तो सोनिया गांधी ने कई कारणों से प्रधानमंत्री बनने से इनकार कर दिया। पहला कारण यह था कि उनके दोनों बच्चों ने उन्हें प्रधानमंत्री न बनने के लिए कहा था, क्योंकि उन्हें अपनी मां की जान को खतरा होने का डर था।

दूसरा कारण सुषमा स्वराज का यह बयान था कि यदि सोनिया गांधी प्रधानमंत्री बनती हैं, तो वे अपना सिर मुंडवा लेंगी और जमीन पर सोएंगी।

इस बयान ने राजनीतिक माहौल को हिला दिया तथा अनिश्चितता का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लोकसभा सीटें 50 प्रतिशत बढ़ीं तो समर्थन दे सकते हैं

मुंबई, 14 नवंबर। लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर बहस के बीच, एनसीपी (शरद पवार गुट) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने बड़ा बयान दिया है।

उन्होंने कहा कि अगर प्रस्तावित डिलिमिटेशन बिल के तहत लोकसभा सीटों की संख्या में 50 फीसदी की बढ़ोतरी की जाती है, तो उनकी पार्टी इसका समर्थन करने के लिए तैयार है।

- शरद पवार गुट की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने घोषणा की।

सुले का कहना है कि बढ़ती आबादी और विशाल होते निर्वाचन क्षेत्रों के कारण सांसदों के लिए जनता तक सीधे पहुंचना और विकास कार्यों की बराबर निगरानी करना लगातार मुश्किल होता जा रहा है।

सुप्रिया सुले ने कहा कि छोटे संसदीय क्षेत्र लोकतंत्र को ज्यादा मजबूत बना सकते हैं। उनके मुताबिक, जब किसी सांसद के जिम्मे बहुत बड़ी आबादी और सैकड़ों गांवों का इलाका होता है, तब हर मतदाता तक पहुंचना और उसकी जरूरतों को समझना आसान नहीं रह जाता।

ऐसे में लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने से जनप्रतिनिधियों और जनता के बीच बेहतर तालमेल कायम हो सकेगा।

योगी ने पुरजोर ढंग से हिन्दू मतदाताओं का मुद्दा क्यों उठाया?

चर्चा है कि इस मुद्दे से योगी हिन्दू वोटों को लुभाने का प्रयास कर रहे हैं। उनका मानना है, इससे उन्हें मोदी-शाह द्वय से राजनीतिक स्पर्धा में ताकत मिलेगी

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 नवम्बर। एक ऐसे कदम से, जो भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व के लिए शर्मिंदगी का कारण बन सकता है, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'वोट चोरी' के विवाद को और हवा दे दी है। उन्होंने दावा किया है कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद, 1.27 करोड़ हिंदू मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से गायब हो गए हैं।

- पर, उनका यह दावा कुछ ढीला पड़ गया, क्योंकि अखिलेश यादव ने यह सवाल उठाया कि योगी को कैसे मालूम कि जिन वोटर्स के नाम कटे हैं, वे हिन्दू हैं या मुसलमान। अखिलेश अप्रत्यक्ष रुप से कटाक्ष कर रहे हैं, कि चुनाव आयोग जानकारियाँ शेयर करने में पक्षपात कर रहा है। यह एक संगीन आरोप है तथा चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाता है।

जहां भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व ने पहले विपक्ष के आरोपों के खिलाफ पूरे देश में चल रहे एसआईआर का बचाव किया था, वहीं आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश भाजपा इकाई ने एक महीने तक चलने वाला 'मतदाता जोड़ो अभियान' शुरू किया है। इस अभियान का मुख्य फोकस उन वास्तविक मतदाताओं पर है, जिनके नाम सूची से गायब हैं। इसके अलावा, महिलाओं, युवाओं और दूसरे स्थानों पर रहने वाले प्रवासियों को भी इस अभियान में शामिल किया जा रहा है। राज्य के नेताओं का कहना है कि यह कोई पार्टी विरोधी गतिविधि नहीं है, बल्कि इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रह जाए।

आदित्यनाथ ने हाल ही में कहा कि इनमें से कई मतदाताओं के नाम पंचायत की सूचियों में या सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के रूप में दर्ज थे, और इनमें पहली बार मतदान करने वाले युवा भी शामिल थे, लेकिन उनके नाम चुनाव आयोग की विधानसभा मतदाता सूचियों से गायब हैं। उन्होंने बताया कि भाजपा ने पात्र मतदाताओं के नाम शामिल करने और अपात्र लोगों के नाम हटाने की मांग करते हुए चुनाव आयोग को एक ज्ञापन सौंपा है। साथ ही उन्होंने एसआईआर का बचाव करते हुए कहा कि मृत और दोहरे नामों वाले मतदाताओं की पहचान कर उन्हें हटाने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत भी चाहता है पूर्व प्र.मंत्री शेख हसीना बंगलादेश लौटें

परंतु, बी.बी.सी. (बंगलादेश) की खबर के अनुसार, वापसी कुछ शर्तों की पूर्ती के बाद ही होनी चाहिये

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 14 नवंबर। बी. बी. सी. बांग्ला की रिपोर्ट के अनुसार, भारत चाहता है कि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना बांग्लादेश लौटें, लेकिन इसके लिए कुछ शर्तों का पूरा होना जरूरी है। नई दिल्ली चाहती है कि उनकी वापसी की देखरेख बांग्लादेश की सेना करे और ढाका उनकी निष्पक्ष सुनवाई की गारंटी दे।

दो साल से भी पहले, जब उग्र भीड़ ने ढाका स्थित उनके आवास पर धावा बोल दिया था, तब बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना एक सैन्य विमान से भारत पहुंची थीं। अब

- मुख्य शर्त है, कि सरकार शेख हसीना की सुरक्षा की गारंटी ले तथा शेख हसीना पर चलाये जा रहे मुकदमों में सही व न्यायोचित सुनवाई हो।

हसीना ने घोषणा की है कि वह दिसंबर में बांग्लादेश लौटना चाहती हैं। बी. बी. सी. बांग्ला की रिपोर्ट के अनुसार, नई दिल्ली इस योजना से सहमत है, लेकिन चाहती है कि उनकी वापसी के साथ अवामी लीग प्रमुख की सुरक्षा की गारंटी हो और उन्हें निष्पक्ष सुनवाई का मौका मिले।

इस समाचार आउटलैट ने भारत के विदेश मंत्रालय (एमईए) और सैन्य प्रतिष्ठान के कुछ अज्ञात सूत्रों का हवाला दिया है। हालांकि, शुक्रवार को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इन खबरों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

बीबीसी बांग्ला की गुरुवार (12 नवंबर) को प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, जिसका हवाला बांग्लादेश के लगभग एक दर्जन समाचार आउटलैट्स ने भी दिया है, नई दिल्ली पिछले कुछ समय से हसीना की वापसी के लिए एक व्यावहारिक रास्ता तैयार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री ने जनजातीय गौरव दिवस पर शुभकामनाएं दीं

जयपुर, 14 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेशवासियों को जनजातीय गौरव दिवस (15 नवम्बर) की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2021 में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरूआत की। यह पहल जनजातीय समाज के राष्ट्र निर्माण में योगदान और गौरवशाली विरासत का सच्चा सम्मान है।

- भगवान बिरसा मुंडा के जन्मदिन को जनजातीय गौरव दिवस के रुप में मनाया जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा ऐसे महान स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने पूरे देश में जनक्रांति की लौ जलाई। उन्होंने समाज सुधारक के रूप में जनजातीय समाज को नशा एवं जातीय संघर्ष जैसी बुराइयों को त्यागने और लोगों को एकजुट रहने के लिए प्रेरित किया।

चीन ने दूषित वायुमण्डल पर कैसे नियंत्रण किया?

जनवरी 2013, बीजिंग में एयर क्वालिटी इन्डैक्स 563 था, पहले तो इस प्रदूषण में 2017 तक, 25 प्रतिशत कमी करने का लक्ष्य रखा, और इस लक्ष्य को प्राप्त किया

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 14 नवंबर। नई दिल्ली में "एयर क्वालिटी इन्डैक्स" (एक्यूआई) का औसत बढ़कर खतरनाक स्तर 563 तक पहुंच गया, जिससे लोगों का दम घुटने लगा और पूरा शहर घनी धुंध की चादर से ढक गया। वहीं, लगभग 3,780 किलोमीटर दूर बीजिंग में 13 नवंबर को एक्यूआई 170 से नीचे था। हालांकि, यह स्तर भी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक तो था, लेकिन उस शहर के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी, जहां 2013-14 की सर्दियों में एक्यूआई का स्तर अक्सर 700 से ऊपर पहुंच जाता था।

बीजिंग ने हवा की गुणवत्ता में यह सुधार कुछ समय के लिए आपातकालीन बंदी (एमरजैंसी क्लोज़र) लागू करके नहीं, बल्कि कई

- भारत की तुलना में चेपा-चापी वाले, तुरंत प्रदूषण पर नियंत्रण करने का कोई प्रोग्राम नहीं बनाया। बल्कि दीर्घ कालीन प्रोग्राम बनाने का सोच रखा।
- क्योंकि सभी जानते तो हैं कि प्रदूषण कैसे कम होता है। पर, दीर्घ कालीन सोच रखने से सरकार के प्रदूषण हटाने के प्रवासों में शुरु से गंभीरता रही। प्रयास केवल नारेबाजी तक सीमित नहीं रहे।

वर्षों तक चले अरबों युआन के एक बड़े अभियान के जरिए हासिल किया। इसमें ऊर्जा की खपत, उद्योगों और परिवहन व्यवस्था में बड़े बदलाव किए गए।

कभी दुनिया में "साइकिलों का राजा" माना जाने वाला चीन, अपनी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के कारण अब साइकिलों की जगह इंजन, कारखानों और हीटिंग सिस्टम पर निर्भर हो गया है।

जनवरी 2013 तक बीजिंग में धुंध इतनी गंभीर हो गई थी कि ऊंची इमारतें धुएं के घने बादलों के पीछे छिप जाती थीं। कई लोगों ने इस स्थिति के लिए "चीनी धुंध" (चाइनीज़ हेज़) शब्द का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया था। विश्व बैंक के अनुसार, बीजिंग में 24 घंटे के दौरान पीएम2.5 का स्तर 569 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक पहुंच गया था। यह नवंबर 2017 में दिल्ली में दर्ज 576 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर के स्तर के लगभग बराबर था।

शहर के लोगों को आंखों में जलन, दमा के दौरे और सांस लेने में परेशानी का सामना करना पड़ा। सितंबर 2013 में चीन की स्टेट काउंसिल ने वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए एक कार्ययोजना शुरू की। इसका उद्देश्य 2017 तक बीजिंग में पीएम2.5 के स्तर को 25 प्रतिशत तक कम करना और प्रदूषण की समस्या को घटाना था।

वायु गुणवत्ता में सुधार की सफलता के पीछे चार मुख्य कारण थे।

पहला, कोयले के इस्तेमाल और प्रदूषण फैलाने वाले अन्य व्यवसायों पर प्रतिबंध लगाया गया। गर्मी पैदा करने, बिजली बनाने और वस्तुओं के निर्माण

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तान के मंत्री शंघाई सहयोग संगठन की बैठक के लिए दिल्ली आयेंगे

नई दिल्ली, 14 नवंबर। नई दिल्ली में 20 से 22 नवंबर 2026 तक आयोजित होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के पहले सिविलाइजेशनल डायलॉग फोरम में पाकिस्तान भी हिस्सा लेगा। पाकिस्तान सरकार ने इस

- ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह किसी भी पाकिस्तानी मंत्री की पहली भारत यात्रा है।

अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए अपने संघीय जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण समन्वय मंत्री डॉ. मुसादिक मसूद मलिक को नामित किया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह पहला ऐसा मौका है, जब कोई पाकिस्तानी मंत्री भारत आ रहा है।

प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह कार्यक्रम एससीओ सदस्य देशों के प्रतिनिधियों को एक साथ लाएगा, ताकि वे सभ्यताओं के बीच संवाद और सांस्कृतिक समझ से जुड़े मुद्दों पर अपने विचार साझा कर सकें।

पाकिस्तान सरकार, एससीओ ढ ांचे के भीतर आपसी सम्मान की भावना के साथ, सभ्यताओं के बीच संवाद को बढ़ावा देने और लोगों के बीच आपसी संपर्क को मजबूत करने के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सोनिया गांधी की पुस्तक में गोधरा कांड का उल्लेख, राजनीति से प्रेरत है।'

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 14 नवंबर। वर्ष 2002 में गोधरा ट्रेन अग्निकांड की जांच करने वाले सीबीआई के पूर्व विशेष निदेशक राकेश अस्थाना ने सोनिया गांधी की आत्मकथा, बिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लव, के एक अंश को खारिज कर दिया है। इस पुस्तक में आग लगने के कारण को "विवादास्पद" बताया गया है।

- सी.बी.आई. के उच्चाधिकारियों के अनुसार, जांच एक निष्पक्ष व सही तरीके से की गई है, जिस प्रकार किसी भी अपराध की होती है।
- अतः सोनिया गांधी का यह लिखना कि गोधरा जाने वाली रेल गाड़ी के डिब्बों में लगी आग का कारण "विवादित" है, केवल राजनीति से प्रेरित है, सच से परे है।

उन्होंने कहा कि इस घटना की जांच पूरी हो चुकी है और फॉरेंसिक साक्ष्यों से आग लगने के कारण का पता चल गया है। उन्होंने यह भी कहा कि जांच के निष्कर्षों पर जो भी संदेह जताया जा रहा है, वह राजनीतिक कारणों से किया जा रहा है। अपनी आत्मकथा में सोनिया गांधी लिखती हैं, "दंगे तब भड़के, जब साबरमती एक्सप्रेस के चार डिब्बों में आग लगा दी गई, जिसमें 59 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। यह ट्रेन हिंदू कारसेवकों को लेकर अयोध्या से राज्य की राजधानी अहमदाबाद लौट रही थी। और इसमें हिन्दू कारसेवक (राम मंदिर के लिए स्वयंसेवक) सवार थे। आग लगने का कारण अब भी विवादास्पद है, लेकिन इसके बाद जो हंगामा हुआ, राज्य के कई हिस्सों में फैल गया।"

इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए अस्थाना ने कहा, "यह पूरी तरह गलत है। जांच प्रामाणिक है। इसे अदालत में साबित किया जा चुका है। अगर आज भी कोई इस पर संदेह पैदा कर रहा है, तो इसके पीछे राजनीतिक कारण है। इसकी कोई दूसरी वजह नहीं हो सकती।"

यह पूछे जाने पर कि क्या यह राजनीतिक कारण किसी खास वोट बैंक से जुड़ा है, उन्होंने कहा, "गोधरा में मरने वाले सभी लोग हिंदू थे। चाहे किसी की भी मौत हुई हो, चाहे वह हिंदू हो, मुस्लिम हो, ईसाई हो या सिख, मौत तो मौत है, हत्या तो हत्या है। इसलिए हमने इस मामले की जांच एक आपराधिक घटना के रूप में की। लेकिन दुर्भाग्य से, इस मुद्दे को इस तरह पेश किया गया, मानो इस मामले की जांच मोदी को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य की गई।"

27 फरवरी 2002 को हिंदू कारसेवकों को लेकर जा रही साबरमती एक्सप्रेस के एक डिब्बे में भीड़ ने आग लगा दी थी। इस घटना में महिलाओं और बच्चों सहित, 59 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद पूरे गुजरात में सांप्रदायिक दंगे फैल गए, जिनमें सैकड़ों लोग मारे गए।

वर्ष 2011 में एक विशेष अदालत ने गोधरा ट्रेन अग्निकांड के मामले में 31 लोगों को दोषी ठहराया। इसके बाद 2014 में, गुजरात उच्च न्यायालय ने 11 लोगों की दोषसिद्धि को बरकरार रखा, जबकि 20 अन्य लोगों को बरी कर दिया।

अंत में, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने गुजरात उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा और गोधरा ट्रेन अग्निकांड के मामले में दोषियों की ओर से दायर अपीलों को खारिज कर दिया।

एक दिन भी नहीं उड़ी स्पाइसजेट की नई जयपुर- मुंबई फ्लाइट

जयपुर, 14 नवम्बर। जयपुर एयरपोर्ट से मुंबई के लिए स्पाइसजेट की नई उड़ान शुरू होने के सात दिन बाद भी, एक बार भी संचालित नहीं हो सकी। एयरलाइन ने 7 नवंबर से फ्लाइट संख्या एसजी-701 और एसजी-702 का संचालन शुरू करने की घोषणा करते हुए इसका शेड्यूल भी जारी किया था, लेकिन पिछले सात दिनों में एक भी दिन उड़ान नहीं हुई।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, फ्लाइट को मुंबई से शाम 8:30 बजे जयपुर पहुंचना था। इसके बाद रात 9:30 बजे जयपुर से मुंबई के लिए रवाना होना था। नई उड़ान शुरू होने

- एयरलाइन ने 7 नवम्बर से इस फ्लाइट की घोषणा की थी।

से जयपुर और मुंबई के बीच हवाई संपर्क बेहतर होने की उम्मीद थी, लेकिन लगातार संचालन नहीं होने से यात्रियों को निराशा का सामना करना पड़ रहा है। स्पाइसजेट की जयपुर-दुबई उड़ान का संचालन भी नियमित नहीं हो पा रहा है। इस रूट पर उड़ानें रद्द होने और देरी से संचालित होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। मुंबई और दुबई जैसे महत्वपूर्ण मार्गों पर उड़ानों के प्रभावित होने से यात्रियों की परेशानी बढ़ रही है। लगातार बिगड़ते उड़ान कार्यक्रम के चलते एयरलाइन की परिचालन व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं।